मन्द मन्द मुसका दे कान्हा

मन्द मन्द मुसका दे कान्हा,
नयनन बान चला दे कान्हा,
मुरली मधुर बजा दे कान्हा,
सुर लय तान सुना दे कान्हा,
मन्द मन्द मुसका---------

प्रीत की रीत सीखा दे कान्हा,
मन का मीत बना दे कान्हा,
संग ग्वालन धूम मचा दे कान्हा,
गोपिन संग रास रचा दे कान्हा,
मन्द मन्द मुसका--------

नवउमंग नवरंग दे कान्हा,
नवजीवन, नवतरंग दे कान्हा,
निश्छल भक्ति से भर दे कान्हा,
माया तृष्णा सब हर ले कान्हा,
मन्द मन्द मुसका----------

पद पंकज नेह लगा दे कान्हा,
प्रेम सुधा बरसा दे कान्हा,
अविरल भक्ति जगा दे कान्हा,
भव से पार लगा दे कान्हा,
मन्द मन्द मुसका---------

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक,
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21141/title/mand-mand-musaka-de-kanha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |